

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2012

01475

**MESE-058 : EDUCATIONAL AND VOCATIONAL
GUIDANCE AND COUNSELLING**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

Note : (i) All the questions are compulsory.

(ii) All the questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 600 words :

Explain the concept of 'counselling'. Discuss the various stages involved in counselling.

OR

Critically examine the communication skills essential for counselling.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain the importance of observation as a tool for data collection. Clarify the steps you would take to make observation effective.

OR

Discuss the concept of developmental guidance. Describe the major functions of guidance.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each.
- (a) Discuss the importance of reliability of a test. Describe how reliability of a test can be increased.
 - (b) Describe the need for building trust in a counselling situation. How can this be done ?
 - (c) State the objectives of providing guidance at the secondary stage.
 - (d) Write a short note on the case study approach to evaluation.
 - (e) Why is it necessary to provide career guidance in schools.
 - (f) Write a short note on 'sociometry'.

4. Answer the following question in about **600** words.

Construct two questionnaires one for students and the other one for their parents for evaluating the guidance programme of your school.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

एम.ई.एस.ई.-058 : शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन
और परामर्श

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
'परामर्श' (counselling) के सम्प्रत्यय की व्याख्या कीजिए।
परामर्श में निहित विभिन्न स्तरों (stages) की चर्चा कीजिए।

अथवा

परामर्श के लिए आवश्यक सम्प्रेषणात्मक कौशलों की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
आँकड़ों के संग्रह के उपकरण के रूप में प्रेक्षण के महत्व की व्याख्या कीजिए। प्रेक्षण को प्रभावी बनाने के लिए आप कौन से कदम उठाएँगे? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विकासात्मक मार्गदर्शन के सम्प्रत्यय की चर्चा कीजिए। मार्गदर्शन के प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए।

- (a) किसी परीक्षण की विश्वसनीयता के महत्व की चर्चा कीजिए। किसी परीक्षण की विश्वसनीयता को किस प्रकार बढ़ाया जा सकता है?
- (b) परामर्श की स्थिति में विश्वास निर्मित करने की आवश्यकता का वर्णन कीजिए। इसे कैसे किया जा सकता है?
- (c) माध्यमिक स्तर पर मार्गदर्शन प्रदान करने का उद्देश्य बताइये।
- (d) मूल्यांकन के लिए केस अध्ययन उपागम (case study approach) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
- (e) विद्यालयों में जीवन मार्गदर्शन (career guidance) प्रदान करना क्यों आवश्यक है?
- (f) समाजमिति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

अपने विद्यालय के मार्गदर्शन कार्यक्रम के मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए दो प्रश्नावलियों (एक विद्यार्थियों के लिए एवं एक अभिभावकों के लिए) का निर्माण कीजिए।